राष्ट्रपति चुनाव परिणाम के बाद केंद्रीय विवि में खुशी का माहौल

रांची (स्वदेश संवाददाता) : राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम आने के बाद झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में खुशी का माहौल है। चेरी मनातु परिसर में शनिवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीयूजे परिसर के हर भवन में शुभकामना संदेश के तौर पर द्रौपद्री मुर्मू की तस्वीर लगाई गई है। कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच खुशी जाहिर करते हुए कहा कि झारखंड के लिए गौरव का क्षण है। भारत ने एक नया इतिहास रचा है। द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति के रूप में 26 जुलाई को शपथ लेंगी। झारखंड के राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है।

साधारण व्यक्ति भी ईमानदारी के दम पर छू सकता है सफलता की बुलंदी : कुलपति

■ केंद्रीय विवि, झारखंड में कार्यक्रम

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा है कि एक साधारण व्यक्ति भी ईमानदारी से काम करता रहे, तो वह सफलता की किसी भी बुलंदी को छू सकता है. शिक्षक से राष्ट्रपति और साधारण मकान से रायसीना हिल्स तक का सफर बगैर दृढ संकल्प और अथक प्रयास के असंभव है. आनेवाली पीढ़ियां इसे प्रेरणास्त्रोत के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं. कुलपति शनिवार को निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर विवि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. विवि के चेरी-मनातू स्थित नये परिसर के प्रत्येक भवन में श्रीमती मुर्मू की तस्वीर संदेश के साथ लगायी गयी. कुलपति ने कहा कि श्रीमती मुर्मू के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के साथ ही वह इस विवि की विजिटर भी होंगी. विवि में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का होगा आयोजन केंद्र के निर्देश पर सीयूजे में भी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम होगा. साथ ही 13 अगस्त से पूर्व स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जायेगा, जिसमें आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम होंगे. कार्यक्रम की रूपरेखा बाद में तय की जायेगी.

केंद्रीय विवि झारखंड में आयोजित कार्यक्रम में शामिल शिक्षक.

द्रौपदी के राष्ट्रपति निर्वाचित होने से सीयूजे में हर्ष

रांची : राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम के साथ ही सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड में खुशी की लहर दौड़ गई है। झारखंड की राज्यपाल रह चुकी द्रौपदी मुर्मू देश की 15 वीं राष्ट्रपति चुनी गई हैं। सीयूजे को द्रौपदी मुर्मू का स्नेह हमेशा मिलता रहा है। वो जब राज्यपाल थी तो सीयूजे के कई कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुकी हैं। (जासं)

सिटी बज

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में कार्यक्रम

रांची | झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने कहा कि झारखंड की राज्यपाल रह चुकीं द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति चुनी गई हैं। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय को द्रौपदी मुर्मू का स्नेह हमेशा मिलता रहा है। वो जब राज्यपाल थीं तो सीयूजे के कई कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं।विश्वविद्यालय के उत्थान में द्रौपदी मुर्मू ने हरसंभव मदद की है। यही वजह है कि उनके राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से विश्वविद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का माहौल है, जिसे लेकर चेरी मनातु परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीयूजे परिसर के हर भवन में शुभकामना संदेश के तौर पर द्रौपद्री मुर्मू की तस्वीर लगाई गई है। कार्यक्रम के अंत में सबों के बीच मिठाई और चॉकलेट बांटी गई। कुलपति ने बच्चों को बताया कि एक साधारण व्यक्ति भी अगर ईमानदारी से अपना कार्य करता रहे तो वो सफलता की किसी भी बुलंदियों को छू सकता है।

द्रौपदी मुर्मू की जीत दबे और शोषितों के संघर्ष की जीत : डीन

सीयूजे में द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर शनिवार को समारोह आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास व अन्य। • हिन्दुस्तान

रांची, प्रमुख संवाददाता। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा केंद्र (टीआरएल) में शनिवार को द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने पर गोष्ठी आयोजित की गई। टीआरएल संकाय के डीन प्रो गौरीशंकर झा ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर समाज के लोगों में काफी खुशी है। उनकी यह जीत दबे, कुचले, शोषितों के संघर्ष की जीत है।

केंद्र के समन्वयक डॉ हरि उरांव ने कहा, इस जीत से आदिवासी समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है। नागपुरी विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नंद तिवारी बोले, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का मातृभाषाओं के प्रति झुकाव सहज ही देखा जा सकता है। मुंडारी विभागाध्यक्ष नलय राय ने कहा कि आदिवासी समुदाय की महिला के राष्ट्रपति बनने से नई परंपरा की शुरुआत हुई है।

राष्ट्रपति पद के लिए मिली जीत पर सीयूजे में जश्न

द्रौपदी मुर्मू के 15वें राष्ट्रपति चुने जाने पर शनिवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में विशेष कार्यक्रम मनाया गया। इस दौरान हर जगह शुभकामना संदेश वाली द्रौपद्री मुर्मू की तस्वीर लगाई गई थी। मौके पर कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा कि झारखंड के लिए यह गौरव का क्षण है। भारत ने नया इतिहास रचा है। झारखंड के राज्यपाल के रूप में द्रौपदी मुर्मू का कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है, जिसे आज उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है। कुलपति ने कहा, साधारण व्यक्ति भी ईमानदारी से काम करे तो वह सफलता की किसी भी बुलंदी को छू सकता है। शिक्षक से राष्ट्रपति और साधारण मकान से रायसीना हिल्स तक का सफर बगैर दृढ़ संकल्प और अथक प्रयास के असंभव है।

द्रौपदी मुर्मू का देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेना होगा, झारखंड के लिए गौरव का क्षणः कुलपति

सीयूजे में छात्रों के बीच बांटी गई मिठाईयां,पूरे परिसर में लगाई गई तस्वीर

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांचीः राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम के साथ ही झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई है। झारखंड की राज्यपाल रह चुकी द्रौपदी मुर्मू देश की 15 वीं राष्ट्रपति चुनी गई हैं । झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय को द्रौपदी मुर्मू का स्नेह हमेशा मिलता रहा है । वो जब राज्यपाल थीं तो सीयूजे के कई कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर चुकी हैं । फिर चाहे वो पहला दीक्षांत समारोह रहा हो या कुलपति मिलन समारोह हो ,सबों में द्रौपदी मूर्मू ने सहर्ष हिस्सा लिया । विश्वविद्यालय के उत्थान में द्रौपदी मुर्मू ने हर संभव मदद किया है। यही वजह है की उनके राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से विश्वविद्यालय परिसर में हर्षो उल्लास का माहौल है । जिसे लेकर चेरी मनातु परिस में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया । सीयूजे परिस के हर भवन में शुभकामाना संदेश के तौर पर द्रौपद्री मुर्मू की तस्वीर लगाई गई है । वहीं कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच खुशी जाहिर करते हुए कहा कि झारखंड के लिए गौरव का क्षण है । भारत ने एक नया इतिहास रचा है । द्रौपदी मुर्मू देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति के रूप में 25 जुलाई को शपथ लेंगी । झारखंड़ के राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है, जिसे आज उदाहरण के तौर पर पेश किया जाता है । सीयूजे परिवार में आज खुशी की लहर दौड़ पड़ी है बतौर राष्ट्रपति विश्वविद्यालय परिसर में वो जल्द आएंगी इसकी कामाना करते हैं राज्यपाल रहते हुए उन्होंने सीयूजे को काफी करीब से देखा है जिसका फायदा विश्वविद्यालय को समय -समय पर मिलता रहा है ।

कार्यक्रम के अंत में सबो के बीच मिठाइयां और चॉकलेट बांटी गई और कुलपति ने बच्चों को बताया कि एक साधारण व्यक्ति भी अगर ईमानदारी से अपना कार्य करता रहे तो वो सफलता की किसी भी बुलंदियों को छू सकता है । शिक्षक से राष्ट्रपति और साधारण मकान से रायसीना हिल्स तक का सफर बगैर दृढ संकल्प और अथक प्रयास के असंभव है। आने वाली पीढियों को मैडम से शिक्षा व उत्साहवर्द्धन मिलती रहेगी।